भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

07.12.2022 के

अतारांकित प्रश्न सं. 170 का उत्तर

टक्कररोधी बचाव प्रणाली

170. श्री ए. राजा:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) देश में कितनी वंदे भारत एक्सप्रेस रेलगाड़ियां चल रही हैं;

(ख) क्या वंदे भारत एक्सप्रेस 2.0 रेलगाड़ी टक्कररोधी प्रणाली, त्वरित शुरुआत और अत्याधुनिक सुविधाओं जैसी सुरक्षा सुविधाओं से लैस है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या लंबी दूरी की अन्य एक्सप्रेस रेलगाड़ियां विशेष रूप से दक्षिण की ओर जाने वाली रेलगाड़ियों को भी टक्कररोधी उपकरण, उच्च गति आदि से लैस किए जाने की संभावना है; और

(घ) यदि हां, तो इसे कब तक कार्यान्वित किए जाने की संभावना है?

उत्तर

रेल, संचार एवं इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री
(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क): वर्तमान में, भारतीय रेल नेटवर्क पर 05 जोड़ी वंदे भारत एक्सप्रेस गाड़ियां अर्थात् 22435/22436 नई दिल्ली-वाराणसी वंदे भारत एक्सप्रेस, 22439/22440 नई दिल्ली-श्री माता वैष्णो देवी कटरा वंदे भारत एक्सप्रेस, 20901/20902 मुंबई सेंट्रल-गांधीनगर कैपिटल वंदे भारत एक्सप्रेस, 22447/22448 नई दिल्ली-अंब अंदौरा वंदे भारत एक्सप्रेस और 20607/20608 चेन्नई सेंट्रल-मैसूर वंदे भारत एक्सप्रेस परिचालन में हैं।

(ख) से (घ): जी हां। वंदे भारत एक्सप्रेस 2.0 में "कवच" [गाड़ी टक्करोधी प्रणाली (टीसीएएस)] की व्यवस्था की गई है। इसमें 0.7 मीटर/ सेकंड^2 का उच्च प्रारंभिक त्वरण भी है। इस गाड़ी में तेजी से त्वरण के लिए वितरित पावर मोड में अत्याधुनिक इंसुलेटेड गेट बाई-पोलर ट्रांजिस्टर (आईजीबीटी) आधारित 3-फेज प्रोपल्सन प्रणाली है। अब तक दक्षिण मध्य रेलवे पर 1,455 मार्ग किलोमीटर के लिए 77 इंजन में कवच लगाया गया है। वर्तमान में, दिल्ली-मुंबई और दिल्ली-हावड़ा गलियारों पर कवच का कार्य प्रगति पर है। इसके अलावा, कवच प्रणाली की व्यवस्था कराना सतत् प्रक्रिया है।

*****